नवभारत
| संस्थापक : स्व. रामगोपाल माहेश्वरी | प्रेरणा स्त्रोत : स्व. प्रफुल्ल माहेश्वरी |

निवेश की नई धुरी बनता मध्य प्रदेश

वर्ल्ड इकोनॉमिक फोरम (डब्ल्यूईएफ) 2026 के मंच से जब मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने मध्य प्रदेश को 'रणनीतिक निवेश केंद्र' के रूप में प्रस्तुत किया, तो यह केवल एक औपचारिक भाषण नहीं था, बल्कि राज्य की बदली हुई आर्थिक आत्मविश्वास का उद्घोष था. दावोस जैसे वैश्विक मंच पर मध्य प्रदेश की सशक्त उपस्थिति इस बात का संकेत है कि अब राज्य केवल संसाधनों का भंडार नहीं, बल्कि पूंजी निवेश के लिए एक भरोसेमंद और दूरदर्शी गंतव्य बनता जा रहा है.

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव का विजन स्पष्ट है कि निवेश, रोजगार और सुशासन का त्रिकोण. 'इन्वेस्ट इन इंडिया: मध्य प्रदेश' राउंडटेबल में उन्होंने जिस 'एमपी मॉडल' को सामने रखा, वह विकास के पारंपरिक नारों से आगे बढ़कर ठोस नीति, स्थिर शासन और परिणामोन्मुखी प्रशासन का उदाहरण है. जल, भूमि, श्रम और प्राकृतिक संसाधनों की उपलब्धता को उन्होंने केवल गिनाया नहीं, बल्कि उन्हें निवेश के अनुकूल ढांचे से जोड़कर प्रस्तुत किया. केंद्रीय भौगोलिक स्थिति और सुदृढ़ कनेक्टिविटी ने मध्य प्रदेश को लॉजिस्टिक्स और मैन्युफैक्चरिंग के लिए स्वाभाविक केंद्र बना दिया है. दरअसल, निवेशकों का भरोसा किसी एक नीति से नहीं बनता, बल्कि नीतिगत स्थिरता और प्रशासनिक स्पष्टता से बनता है. डॉ. मोहन यादव ने उद्योगों को यह स्पष्ट संदेश दिया कि मध्य प्रदेश में नियम बदलते नहीं, बल्कि निवेश के साथ आगे बढ़ते हैं. रोजगार सृजन को प्राथमिकता देकर उन्होंने पूंजी निवेश को सामाजिक उत्तरदायित्व से जोड़ा है, जो आज वैश्विक निवेशकों की भी प्रमुख अपेक्षा है.

डिजिटल गवर्नेंस और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस पर मुख्यमंत्री का जोर मध्य प्रदेश को भविष्य की अर्थव्यवस्था से जोड़ता है. उद्योगपतियों से हुई चर्चा यह दर्शाती है कि राज्य केवल उद्योग आमंत्रित नहीं कर रहा, बल्कि टेक्नोलॉजी को शासन की रीढ़ बनाने की दिशा में बढ़ रहा है. आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस को सरकारी डेटाबेस से जोड़कर योजनाओं की सटीक डिलीवरी, विशेषकर किसानों और वंचित वर्गों तक, सुशासन का नया मॉडल गढ़ सकती है. यही भरोसा निवेशकों को दीर्घकालिक निवेश के लिए प्रेरित करता है. दरअसल, ऊर्जा क्षेत्र में मध्य प्रदेश का आत्मविश्वास भी दावोस में स्पष्ट दिखा. देश की सबसे सस्ती बिजली दरों और ओंकारेश्वर जैसे फ्लोटिंग सोलर प्रोजेक्ट्स के साथ राज्य ने खुद को 'पावर हब' के रूप में स्थापित किया है. नवीकरणीय ऊर्जा पर यह फोकस न केवल पर्यावरणीय संतुलन का संदेश देता है, बल्कि ग्रीन इन्वेस्टमेंट के लिए राज्य को वैश्विक प्रतिस्पर्धा में आगे खड़ा करता है.

'ब्रांड एमपी' को वैश्विक पहचान दिलाने की मुख्यमंत्री की रणनीति बहुआयामी है. मालदीव के साथ पर्यटन, मत्स्य पालन और आईटी में सहयोग की पहल हो या मैनचेस्टर यूनाइटेड के निदेशक से खेल और स्पोर्ट्स टूरिज्म पर संवाद, यह सब दर्शाता है कि मध्य प्रदेश अब पारंपरिक निवेश क्षेत्रों से आगे सोच रहा है. स्विस संसद के साथ जनजातीय कल्याण और मिलेट्स पर चर्चा राज्य की सांस्कृतिक और कृषि शक्ति को वैश्विक बाजार से जोड़ने का प्रयास है. प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत को चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनाने के संकल्प में मध्य प्रदेश की भूमिका अब प्रतीकात्मक नहीं, बल्कि निर्णायक होती दिख रही है. डॉ. मोहन यादव का विजन, निवेश को नीति, तकनीक और सामाजिक विकास से जोड़ने का, मध्य प्रदेश को नई आर्थिक उड़ान दे रहा है. दावोस से लौटता यह संदेश साफ है कि मध्य प्रदेश तैयार है, और दुनिया का पूंजी बाजार अब इसे गंभीरता से देख रहा है.

अस्थिर पूंजीवाद का दौर

दुनिया को जिम्मेदारी की नई सोच चाहिए

प्रोफेसर मनोज कुमार तिवारी

आज विश्व एक ऐसे मोड़ पर खड़ा है जहाँ आर्थिक अस्थिरता, व्यापार युद्ध, जलवायु संकट और सामाजिक असमानता एक साथ गहराते जा रहे हैं। इसी पृष्ठभूमि में रिस्पांसिबल नेशंस इंडेक्स का आना केवल एक रैंकिंग नहीं, बल्कि वैश्विक व्यवस्था के लिए एक वैचारिक चेतावनी है। इस सूचकांक में भारत का 154 देशों में 16वां स्थान प्राप्त करना बताता है कि जिम्मेदारी आधारित विकास मॉडल आज भी प्रासंगिक और आवश्यक है।

इस रैंकिंग को डब्लयू आईएफ . जवाहरलाल नेहरु विश्वविघालय और आई आई एम मुंबई ने तैयार किया है. ये एक ऐसा दस्तावेज है जो अस्थिरता के दौर से गुजर रही दुनिया को जिम्मेदारी की एक नई सोच तैयार करने में मदद कर सकती है. खासतौर पर इस समय फिर से ये सोचने की जरुरत है कि विकास का माडल किस तरह से पर्यावरण पूरक और सर्व समावेशी तैयार किया जायेगा जो सतत विकास और सबके विकास के लिए काम आ सके .

सो सुख राम नाम अस धामा
अखिल लोक दयाक विश्राम।।
राम जमन जग मंगल हेतू
सत्य संघ पालक श्रुति सेतु।।

पौराणिक साहित्य के अनुसार प्रभु श्री राम का जन्म राज करने के लिए नहीं बल्कि समस्त जगत के कल्याण के लिए हुआ था और उसी के अनुरुप उन्होंने लोगों को साथ लेकर समाज के लिए कार्य किया. इसी सोच के साथ ही ये नयी इंडेक्स तैयार की गयी है.

पिछले कुछ दशकों में दुनिया ने जिस पूंजीवादी मॉडल को अपनाया, वह मुनाफे, उपभोग और प्रतिस्पर्धा पर आधारित रहा। लेकिन आज वही मॉडल गंभीर सवालों के घेरे में है। अमेरिका जैसी महाशक्ति द्वारा एकतरफा टैरिफ नियम, संरक्षणवादी नीतियाँ और आर्थिक दबाव बनाने की रणनीति ने वैश्विक बाजार में अस्थिरता पैदा की है। इसके दुष्परिणाम विकासशील देशों के साथ-साथ आम नागरिकों को भी झेलने पड़ रहे हैं। ऐसे समय में रिस्पांसिबल नेशंस इंडेक्स यह स्पष्ट करता है कि किसी देश की ताकत केवल उसकी त्रष्ठक्क, सैन्य क्षमता या बाजार नियंत्रण से नहीं मापी जा सकती। असली ताकत इस बात में है कि वह अपने नागरिकों, पर्यावरण और वैश्विक समुदाय के प्रति कितना उत्तरदायी है। यही कारण है कि अमेरिका और चीन जैसी आर्थिक महाशक्तियाँ इस सूचकांक में पीछे हैं, जबकि सिंगापुर, स्विट्जरलैंड और डेनमार्क जैसे देश शीर्ष पर हैं। आज वैश्विक पूंजीवाद का स्वरूप ऐसा हो गया है जिसमें कुछ देश नियम बनाते हैं और बाकी दुनिया को उन्हें मानने के लिए मजबूर किया जाता है। अमेरिका द्वारा समय-समय पर लगाए जाने वाले एकतरफा टैरिफ केवल व्यापारिक फैसले नहीं, बल्कि वैश्विक आर्थिक असंतुलन को बढ़ाने वाले कदम हैं। इससे छोटे और मध्यम देशों की अर्थव्यवस्थाएँ कमजोर होती हैं और वैश्विक सहयोग की भावना को नुकसान पहुँचता है। भारत का इस इंडेक्स में आगे रहना इसलिए महत्वपूर्ण है क्योंकि भारत ने विकास के साथ-साथ समावेशी सोच, सामाजिक न्याय, और अंतरराष्ट्रीय सहयोग को महत्व दिया है। भारत की विदेश नीति 'वसुधैव कुटुम्बकम' की भावना पर आधारित रही है, जो आज की स्वार्थ-प्रधान वैश्विक राजनीति में एक वैकल्पिक रास्ता दिखाती है। रिस्पांसिबल नेशंस इंडेक्स के तीन मुख्य आधार— आंतरिक जिम्मेदारी, पर्यावरण जिम्मेदारी और बाहरी जिम्मेदारी–आज की दुनिया की सबसे बड़ी जरूरत हैं। जलवायु परिवर्तन, युद्ध, आर्थिक असमानता और सामाजिक असंतोष जैसी समस्याएँ तभी सुलझेंगी जब देश केवल अपने फायदे के बजाय सामूहिक भलाई के बारे में सोचेंगे। यह भी उल्लेखनीय है कि इस सूचकांक को तैयार करने में जेएनयू और आईआईएम मुंबई जैसे भारतीय संस्थानों का योगदान रहा। यह दिखाता है कि भारत न केवल नीति-निर्माण में, बल्कि वैचारिक नेतृत्व में भी वैश्विक भूमिका निभा सकता है।

इन तीन आधारों को मापने के लिए सात प्रमुख पैमाने तय किए गए हैं

- क्वालिटी ऑफ लाइफ
- सुशासन
- सामाजिक न्याय और सशक्तीकरण
- आर्थिक दक्षता
- पर्यावरण संरक्षण
- शांति के लिए प्रतिबद्धता
- अंतरराष्ट्रीय आर्थिक संबंध

सूचकांक तीन मुख्य आधारों पर टिका है

1. आंतरिक जिम्मेदारी
2. पर्यावरणीय जिम्मेदारी
3. बाहरी/वैश्विक जिम्मेदारी

रैंकिंग जो ताकत नहीं, जिम्मेदारी मापती है : रिस्पांसिबल नेशंस इंडेक्स की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि यह देशों को GDP, सैन्य शक्ति या बाजार प्रभुत्व के आधार पर नहीं आंकता। इसके बजाय यह देखता है कि कोई देश– 1. अपने नागरिकों के जीवन स्तर को कितना बेहतर बनाता है. 2. पर्यावरण संरक्षण के प्रति कितना गंभीर है.3. और वैश्विक शांति व सहयोग में कितना योगदान देता है।

मध्य क्षेत्र की डायरी

चुप्पी पर सवाल

हुजूर आते-आते बहुत देर कर दी

दिलीप झा

मध्यप्रदेश के मुख्य सचिव अनुराग जैन का बुधवार को यह बयान आया कि मुख्यमंत्री डॉक्टर मोहन यादव बोलते हैं कि कोई भी कलेक्टर बिना पैसे लिए काम ही नहीं करता है. निस्संदेह मुख्य सचिव का यह गंभीर आरोप है लेकिन इस बयान के बाद यह भी सवाल उठाए जाएंगे कि मुख्यमंत्री के बाद प्रदेश के प्रशासनिक मुखिया आप हैं तो आपने अभी तक उन भ्रष्ट कलेक्टरों के खिलाफ कार्रवाई सुनिश्चित करने के लिए क्यों नहीं पहल की.

आपने मुख्यमंत्री डॉक्टर मोहन यादव को भ्रष्ट कलेक्टरों को हटाने के लिए कोई पत्र लिखा हो तो यह भी सार्वजनिक करिए. इतने दिन आपको एक्शन में आने में क्यों लगे. अभी आप सीएम पर ठीकरा फोड़ रहे हैं कि उन्होंने कहा कि कलेक्ट्रेट में बहुत भ्रष्टाचार है. अभी आप किस्सा सुना रहे हैं कि कैसे लेन-देन हो रहा है.

आपने यह भी तर्क दिया कि मुख्यमंत्री को मौखिक रूप से बताया कि जो भी ऐसा भ्रष्टाचार कर रहा है, उन्हें हटा दीजिए लेकिन लिखित रूप से भ्रष्ट कलेक्टरों अथवा एसडीएम या तहसीलदार को हटाने के लिए कोई अनुशंसा क्यों नहीं की, यह भी बड़ा सवाल है. भ्रष्टाचार को खत्म करने की दिशा में हिम्मत दिखाते तो जनता में आपकी जयकारे लगते. इसमें कोई दो राय नहीं कि कठघरे में प्रदेश की अफसरशाही है क्योंकि यह बेलगाम है लेकिन आप प्रशासनिक अधिकारियों के सर्वश्रेष्ठ अधिकारी हैं तो आप क्या कर रहे थे, यह भी प्रदेश की जनता को जानने का पूरा हक है.

आपने पहले से ही मोहन सरकार को घेर रहे विपक्षी दल कांग्रेस के नेताओं को बैठे बिठाए बड़ा मुद्दा पकड़ा दिया है. इस सच को भी नहीं झुठलाया जा सकता कि पहली बार कलेक्टर-एसपी की वीडियो कांफ्रेंसिंग में आपने जिलों की कार्यप्रणाली पर इतनी तल्ख टिप्पणी की है. आप भी भ्रष्टाचार होते हुए सिर्फ और सिर्फ देख रहे थे अथवा आपकी क्या विवशता थी, यह भी प्रदेश की जनता को जानने का अधिकार है. अधिकारियों के स्तर पर यदि लाखों केस पेंडिंग हैं, यह हकीकत रिव्यू बैठक में सामने आई है.

लोगों की शिकायत की सुनवाई नहीं हो रही है तो जनता कहां जाएं गुहार लगाने. 100 दिन में अगर 1,74,013 शिकायतें पेंडिंग हैं तो यह समझने में किसी को कोई कठिनाई नहीं हो सकती कि शासन के कामकाज कैसे चल रहे हैं. लेकिन प्रदेश के बुद्धिजीवी यह भी कह रहे हैं कि हुजूर आते-आते बहुत देर कर दी.

एमडी ड्रग्स और नशे का सौदागर

एमडी ड्रग्स ने पूरे प्रदेश के युवाओं को नशे की गिरफ्त में ले लिया है. सूत्र बता रहे हैं कि ग्रामीण क्षेत्रों में भी एमडी ड्रग्स की सप्लाई हो रही है ताकि युवा पीढ़ी को निकम्मा बनाया जा सके.

गत दिनों भी रतलाम और भोपाल से एमडी ड्रग्स की बड़ी खेप पकड़ी गई है लेकिन सबसे सरकार को इसे जड़ से खत्म करने की दिशा में ठोस कार्रवाई करनी चाहिए. ढीलाढाला रवैया से काम नहीं चलने वाला है. क्योंकि हमारे राज्य की युवा पीढ़ी को कमजोर करने का बहुत बड़ा षड्यंत्र रचा गया है. यह एक अंतरराष्ट्रीय षड्यंत्र है. हालांकि मध्य प्रदेश की पुलिस ने एमडी ड्रग्स रैकेट का भंडाफोड़ किया है और इस दिशा में लगातार कार्रवाई हो रही है लेकिन उनके ऊपर राजनीतिक दबाव बनाया जा रहा है कि इस मामले में हाथ न डालें. सरकार को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि शासन पर नेतागिरी हावी न हो.

हादसों को रोकने के लिए कोई पहल नहीं

क्या मध्यप्रदेश सरकार के पास हादसों को रोकने के लिए कोई प्लानिंग नहीं है. दुर्घटना में जा रही जान एक गंभीर और ज्वलंत सवाल है क्योंकि हर रोज लोगों की जान जा रही है और परिवहन और ट्रैफिक पुलिस तमाशबीन बने रहते हैं. पूरे प्रदेश में एक महीने में औसतन वाहनों से कुचलकर 200 लोगों की मौत हो रही है और हम हाथ पर हाथ धरे बैठे रहते हैं. है न अजीबोगरीब स्थिति. अक्सर खूनी सड़कें तो कभी बेलगाम वाहन चालकों की मनमानी जैसे शीर्षक अखबार की सुर्खियां बटोरने लगती है. ट्रैफिक पुलिस चालान काटने में व्यस्त रहती है क्योंकि उनके ऊपर चालान काटने का लक्ष्य निर्धारित रहता है, इसलिए वे कहते हैं हम क्या करें और क्या न करें. विगत दिनों जबलपुर में एक वाहन ने 13 लोगों को कुचल दिया. जिसमें पांच की मौत हो गई और आठ की हालत गंभीर है. ट्रैफिक पुलिस पर ट्रैफिक व्यवस्था सुचारु बनाने की जिम्मेदारी है और इसके लिए उन्हें अपना भरोसा कायम करना चाहिए. धड़ल्ले से वाहन चालक ट्रैफिक सिग्नल तोड़ कर निकल रहे हैं और पुलिस कुछ नहीं कर पा रही है. सूत्र बताते हैं कि आधे शहर में रेडलाईट व्यवस्था चरमरा गई है. मुख्य चौक चौराहों पर सिग्नल काम ही नहीं करते हैं.

राज्यपालों का रवैया असहयोगी क्यों?

विपक्ष शासित राज्यों में वहां की सरकार व राज्यपालों के बीच बढ़ता टकराव संघीय ढांचे या फेडरल स्ट्रक्चर के लिए नुकसानदेह है. राज्यपाल केंद्र का प्रतिनिधि व राज्य का संवैधानिक प्रमुख होता है, जिसके अधिकारों की व्याख्या संविधान में की गई है. तमिलनाडु के राज्यपाल आरएन रवि और केरल के राज्यपाल राजेंद्र आर्लेकर ने अपने अभिभाषण में गलतियां निकालीं. रवि ने मुख्यमंत्री स्टालिन द्वारा तैयार किए गए अभिभाषण को पढ़ने से साफ इनकार किया और विधानमंडल से वॉकआउट भी कर दिया. उन्होंने राजभवन जाकर राज्य सरकार की 13 गलतियां गिनाईं और कारण बताया कि उन्होंने अभिभाषण क्यों नहीं पढ़ा ? इसी तरह केरल के राज्यपाल राजेंद्र आर्लेकर को मुख्यमंत्री पिनराई विजयन की सरकार का लिखा अभिभाषण मंजूर नहीं था. विजयन वाममोर्चा के हैं तो राज्यपाल भगवा विचारधारा के! वह अभिभाषण पढ़कर लेफ्ट की सरकार के कामकाज की प्रशंसा करना नहीं चाहते थे. उन्होंने भाषण का कुछ हिस्सा पढ़ा ही नहीं और कुछ स्थानों पर फेरबदल कर दिया. राज्यपाल के संबोधन के बाद मुख्यमंत्री ने सदन को बताया कि राज्यपाल ने कौन सा अंश जानबूझकर नहीं पढ़ा था. केरल में तो मामला शांति से निपट गया, लेकिन तमिलनाडु में मुख्यमंत्री स्टालिन को बहुत बुरा लगा कि राज्यपाल रवि ने अभिभाषण तो पढ़ा ही नहीं, ऊपर से सदन छोड़कर निकल गए. स्टालिन ने कहा कि वह मांग करेंगे कि अभिभाषण की प्रथा रद्द कर दी जाए तथा

इसके लिए संविधान संशोधन किया जाए. मुख्यमंत्री ने तमिलनाडु को निवेश में अग्रणी तथा बेहतर जीवनस्तर वाला राज्य बताया जबकि राज्यपाल ने कहा कि ऐसा कुछ भी नहीं है और यहां महिलाएं असुरक्षित हैं. राज्य में मद्यपान व ड्रग्स का सेवन बढ़ा है तथा कानून व्यवस्था चिंताजनक है. मुख्यमंत्री स्टालिन के 13 दावे राज्यपाल ने ठुकरा दिए. इसके पहले जब जगदीप धनखड़ बंगाल के राज्यपाल थे तब उनका भी मुख्यमंत्री ममता बनर्जी से हमेशा टकराव होता रहता था. माना जाता है कि केंद्र सरकार को खुश करने के लिए विपक्ष शासित राज्यों के राज्यपाल ऐसा आचरण कर रहे हैं. इसके अलावा वह विधानमंडल द्वारा पारित विधेयकों को भी मंजूरी न देते हुए लंबे समय तक रोके रखते हैं. यह मुद्दा सुप्रीम कोर्ट में भी जा चुका है.

संपादकीय बोर्ड | प्रबंध संपादक : सुमीत माहेश्वरी, समूह संपादक : क्रांति चतुर्वेदी

निशानेबाज

चंद्रयात्रा का सुनीता का अरमान पति की अनुमति पर अभियान

पड़ोसी ने हमसे कहा, निशानेबाज, हमें जीतेंद्र व बबीता की पुरानी फिल्म 'फर्ज' का गीत याद आता है जिसके बोल हैं- बार बार दिन ये आए, बार-बार दिल ये गाए, तुम जियो हजारों साल ये मेरी है आरजू हैपी बर्थ डे टु यू, हैपी बर्थ डे टु सुनीता!'

हमने कहा, 'लगता है, भारतीय मूल की अंतरिक्ष यात्री सुनीता विलियम्स की खबर पढ़कर आपको इस गाने की याद आ गई. नासा से रिटायर होने के बाद वह दिल्ली आईं और उन्होंने कहा कि भारत आना उनके लिए घरवापसी जैसा अनुभव है. भगवान गणेश के प्रति वह अपार श्रद्धा रखती हैं और चंद्रमा पर जाना चाहती हैं लेकिन उनके पति वहां जाने की इजाजत नहीं देंगे.'

पड़ोसी ने कहा, 'निशानेबाज, इसे कहते हैं पतिव्रता नारी! सुनीता अपने अमेरिकी पति की अनुमति बगैर चंद्रमा पर नहीं जाएंगी. यदि उनके पति फिल्म 'पाकीजा' का गीत गाते हुए कहेंगे- 'चलो दिलदार चलो, चांद के पार चलो' तभी वह चंद्रमा पर जाने की सोचेंगी!'

हमने कहा, 'एक दिक्कत और है. गणेशभक्त सुनीता विलियम्स को मालूम होना चाहिए कि गणेशजी और चंद्रमा के बीच छत्तीस का आंकड़ा है. कथा है कि गणेशजी एक बार अपने वाहन मूषक (चूहे) पर बैठकर जा रहे थे. इसे देखकर चंद्रमा को हंसी आ गई. गणेशजी ने नाराज होकर चंद्रमा को शाप दे दिया कि जो कोई चतुर्थी के दिन

चंद्रमा का दर्शन करेगा उस पर झूठा दोष या मिथ्या कलंक लगेगा. भगवान कृष्ण ने चौथ का चंद्रमा देख लिया तो उन पर स्यामंतक मणि चुराने का मिथ्या आरोप सत्राजित ने लगा दिया था. आगे की कथा पुराणों में पढ़ लीजिए.'

पड़ोसी ने कहा, 'निशानेबाज, सुनीता विलियम्स भी अपने साथ गणेश प्रतिमा अंतरिक्ष में ले गई थीं. उन्होंने साढ़े 9 महीने अर्थात 608 दिन अंतरिक्ष में बिताए थे. 9 बार स्पेसवॉक किया अर्थात 672 घंटे 6 मिनट तक अंतरिक्ष में चहल कदमी की. कल्पना चावला के बाद वह नासा की दूसरी भारतीय मूल की एस्ट्रोनॉट रही हैं. वह स्व. दीपक पंड्या की बेटी हैं. उनका कहना है कि अब घरवापसी का समय आ गया है.'

हमने कहा, 'सही बात है. अब अंतरिक्ष जाने की क्या जरूरत! चांद-सितारे यहीं से दिखाई देते हैं. एक गीत है- मैंने चांद और सितारों की तमन्ना की थी, मुझको रातों की सियाही के सिवा कुछ ना मिला!'

शब्द-सागर : डॉ. सागर खादीवाला

CROSS WORD 12151

-डॉ. सागर खादीवाला

1		2	3	■	4	5	6
	■	7		8	■	9	
10	11	■	12		13		
■	14	15	■	16		■	■
17			18	■	19		20
	■	■		■		■	
	■	21		22		23	■
24			■	25			

बाएं से दाएं

1. सिकुड़ना, सिमटना (सं) 4. लक्ष्य, जिस पर अस्त्र आदि का वार किया जाए (उर्दू) 7. लक्ष्मी (सं.) 9. समाप्ति, समाप्ति सूचक शब्द (स.) 10. तालीम, परामर्श, सलाह, लोहे की सलाख जिस पर कबाब बनाते हैं (उर्दू) 12. मरूद्यान, रेगिस्तान में हरा भरा स्थान (उर्दू) 14. मूल्य, जाल, पाश (उर्दू) 16. माप, परिमाण 17. अहित, अपकार 19. एड़ी के ऊपर निकली हुई हड्डी की गांठ 21. जोर, बल, शक्ति, सामर्थ्य 24. ताल देने का एक प्रसिद्ध चमड़ा मढ़ा प्रसिद्ध बाजा 25. कपोत

ऊपर से नीचे

1. सुस्त, अकर्मण्य 2. जमीन का बड़ा खंड, छोटा गांव 3. झुकने की क्रिया या भाव, नमस्कार 5. सभ्य, शिष्ट, विनीत (उर्दू) 6. लड़की की लड़की 8. लाख का लेप लगाना 11. खान, वह स्थान जहां से धातु आदि को खोदकर निकाला जाता है 13. आलिंगन करना, एक वस्तु का दूसरी से सट जाना 15. पृथ्वी, महिमा, विज्ञान शक्ति (सं.) 17. थाती, धरोहर (उर्दू) 18. थोड़ा 20. शरीर की रक्तवाहिनी नलियां 21. दरवाजा-कपाट-संदूक आदि को बंद रखने का यंत्र जो कुंजी से खुलता है

Solution 12150

बा	घ	■	म	ता	व	लं	बी
ग	र	ज	ना	■	स्र	■	मा
डो	■	त्था	■	भ	■	चा	र
र	क्त	■	भा	ग	फ	ल	■
■	■	पु	र	वा	■	क	श
श	ब्द	■	वा	न	र	■	र्म
प	■	ब्या	ह	■	फू	ल	ना
थ	ल	■	न	र	■	ट	क

ज्योतिषाचार्य पंडित प्रियंका नारायणशंकर व्यास, कोतवाली बाजार, जबलपुर (म.प्र.)

आज जिनका जन्मदिन है

वर्ष के प्रारंभ में अनिश्चय की राजनीति का सामना करना होगा, व्यापार में विशेष परिश्रम करना होगा, स्वास्थ्य गड़गड़ रहेगा, चिकित्सा के क्षेत्र में विशेष प्रयत्न करने से कार्यबनेगा, वर्ष के मध्य में यात्रा होगी, कार्यक्षमता में वृद्धि होगी, वर्ष के अन्त में अधिकारियों से मेलजोल रहेगा.

मेष और वृश्चिक राशि के व्यक्तियों को स्वास्थ्य नरम गरम रहेगा, वृष और तुला राशि के व्यक्तियों को विशेष चिकित्सा के क्षेत्र मेंसफलता मिलेगी, कर्क राशि के व्यक्तियों को राजनेतिक अस्थिरता का सामना करना होगा, सिंह राशि के व्यक्तियोंको अचानक धन लाभ प्राप्त होगा, धनु और मीन राशि के व्यक्तियों को सुखद यात्रा होगी, मकर और कुंभ राशि के व्यक्तियों को परिश्रम अधिक होगा, मिथुन और कन्या राशि के व्यक्तियों को स्थितियों से संयम सतर्कता रखना हितकर रहेगा.

आज जन्मे शिशु का भविष्य

आज जन्म लिया बालक चंचल, कोमल तथा आकर्षक व्यक्तित्व वान होगा, इनके कार्य एक से अधिक होते हैं, माता पिता को जीवन में सुखी रखेगा, यात्राप्रिय एवं लेखनादि में अधिक रूचि रखने वाला होगा.

उदयकालीन ग्रह चाल

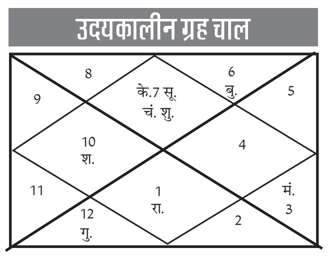

पंचांग

रा.मि. 04 संवत् 2082 माघ शुक्ल षष्ठी शनिवासरे रात 10/36, उत्तराभाद्रपद नक्षत्रे दिन 12/51, शिव योगे दिन 1/3, कौलव करणे सू.उ. 6/38, सू.अ. 5/22, चन्द्रचार मीन, पर्व- श्रीशीतला षष्ठी, शु.रा. 12, 2, 3, 6, 7, 10 अ.रा. 1, 4, 5, 8, 9, 11 शुभांक- 5, 7, 1.

व्यापार भविष्य

माघ शुक्ल षष्ठी को उत्तराभाद्रपद नक्षत्र के प्रभाव से गुड, खांड, तिलहन, तेल, अलसी, सरसों में अच्छी मंदी होगी, रूई, चांदी के भाव में तेजी का योग है. आज 10 बजकर 30 मिनिट से 15 मिनिट के रूख पर व्यापार करना लाभप्रद रहेगा. भाग्यांक 1925 है.

मेष- लेन देन के मामले आपका पक्ष मजबूत होगा, कर्जदारी से छुटकारा मिल सकता है, इच्छानुसार सफलता प्राप्त होने का योग है. विवादास्पद कार्य सफल होंगे.

वृषभ- जोखिम के कार्यों में रूचि बढ़ेगी, पारिवारिक मामलों में अपनों की मदद से लाभ होगा, मित्रों का सामान्य सुख मिलेगा, अधूरे कार्यों के पूर्ण होने का योग है.

मिथुन- अनुशासन की कमी से काम का बोझ बढ़ेगा, केरिअर में अच्छी प्रस्ताव मिलेंगे, शारीरिक श्रम एवं मानसिक प्रसन्नता रहेगी, अतिथि आगमन हो सकता है.

कर्क- कार्य विस्तार की संभावना बन सकती है, सामाजिक जीवन में आपकी भूमिका की सभी प्रशंसा करेंगे. दैनिक नियमितता का ध्यान रखें.

सिंह- आपकी भूमिका की सभी प्रशंसाा करेंगे, युवाओं के कैरिअर में बेहतर अवसर मिल सकते हैं, स्थायी प्रयासों में लाभ होगा, मांगलिक कार्यों में खर्च होगा.

कन्या- तयशुदा कार्यक्रम में बदलाव से खिन्नता बढ़ेगी, वैभव के सामान पर विशेष खर्च की संभावना है. आजीविका के प्रयासों में सफलता मिलेगी.

तुला- सहयोगी आपके व्यवहार से अपमाति महसूस कर सकते है, धार्मिक कार्यों में मानसिक संतोष बना रहेगा, कार्यक्षेत्र में सफलता मिलेगी, उत्साह एवं लगन रहेगी.

वृश्चिक- मनमौजी रवैया नुकसानदायी हो सकता है, परिचितों से नुकसान हो सकता है, शारीरिक अस्वस्थ्यता एवं मानसिक पीड़ा हो सकती है. सुख साधनों में वृद्धि होगी.

धनु- कार्यक्षेत्र में मुश्किलों का सामना करना पड़ेगा, सुविधा के अभाव से परेशानी होगी, पारिवारिक क्लेश एवं विवाद से दूर रहें. अनावश्यक तनाव से बचें.

मकर- भौतिक सुख सुविधा पर बड़े खर्च की संभावना है, अपनी ताकत व पहुंच का सही लाभ लेने में नाकाम रहेंगे, न्यायालयीन प्रयासों में सफलता मिलेगी.

कुम्भ- विपरीत हालात में समझौता करना लाभकारी हैं, लेखन अध्ययन, एवं नवीन कार्यों की योजनाओं पर विचार होगा, जवाबदारी के कार्यों में व्यस्तता रहेगी.

मीन- व्यर्थ की कार्यों में समय बीतेगा, पुराने विवाद के समाधान के आसार हैं, भूमि भवन के कार्यों में सावधानी रखें, परीक्षा प्रतियोगिता के परिणाम उत्तम रहेंगें.

SUDOKU 7283

8		4	3	9	7	5		6
3					2			
		7	6	5				4
9	6		5			1		7
5		1	4		9	8		2
4		8					5	3
2				6	1	4		
			7					8
7		9	8	3	5	6		1

■ प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक है. इनका क्रमवार होना आवश्यक नहीं है. आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 333 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें. ■ पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते. ■ पहेली का केवल एक ही हल है.

नवभारत सू-दोकू 7282

7	8	4	9	5	2	6	1	3
9	6	2	4	3	1	8	5	7
1	3	5	7	8	6	2	4	9
4	2	3	6	1	5	9	7	8
8	5	9	2	4	7	1	3	6
6	7	1	3	9	8	4	2	5
3	1	7	8	6	4	5	9	2
5	9	6	1	2	3	7	8	4
2	4	8	5	7	9	3	6	1